सहकारी संघवाद – केंद्र व राज्य एक-दूसरे के साथ क्षैतिज संबंध स्थापित करते हैं।
– भारतीय संघवाद को श्री ऑस्टिन ने 'सहकारी संघवाद' कहा है।
– प्रथमतः विश्व में – यू.एस.ए.।

सीनेट – अमेरिका की संसद का उच्च सदन
– उपराष्ट्रपति का निर्वाचन, महाभियोग जैसे विशेषाधिकार हैं।

हालिया संदर्भ – जनवरी 2021 में अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप पर महाभियोग प्रस्ताव दूसरी बार लाया गया।

अनुच्छेद 275 – भारतीय संविधान के भाग-12 के अंतर्गत
– केंद्र द्वारा राज्यों को दिए जाने वाले अनुदानों के संबंध में।
– संसद विधि द्वारा उपबंध करती है।

मुख्य परीक्षा

म.प्र. राज्य लोक सेवा आयोग

प्रश्न संख्या	
1 D	परमादेश – (1) आशय – आदेश है कि – (2) भारतीय संविधान के अनु. 32 के तहत एक रिट। (3) न्यायालय, लोकाधिकारी को कार्यान्वयन के लिए आदेशित करता है।
1 E	आच्छादन का सिद्धांत → अनु.-13 (भारतीय संविधान) ↓ विधियों के असंगत होने पर नवीन विधियों का उन्हें आच्छादित करने का सिद्धांत। → जिस सीमा तक विधि असंगत होगी
1 F	प्रयानुदान – जब सरकार को धन की आवश्यकता होती है तब वह प्रयानुदान के माध्यम से मांगती है। – आलोचकों ने 'कोरा चेक' कहा है। – अनुच्छेद 116 (भारतीय संविधान)
1 G	लोकसभा में विपक्ष का नेता – गैर संविधानिक पद – लोकसभा की कुल सीटों का 10% आवश्यक। – वर्तमान में कोई नहीं है।

(2) (2) (1) (1½)

स्पष्ट करें

कौटिल्य एकेडमी
H.O. INDORE Bhanwarkua Square Ph.: 0731-4226615, 4266821 Mob.: 9425068121, 9893429541
www.kautilyaacademy.com

केन्द्रीय प्रशासनिक अधिकरण → हाल ही में दिल्ली में बैठक आयोजित हुआ

↓ गठन ↓ संविधान के भाग – XIV में.

↓ संसद द्वारा 1985 में

अधि०

97 वीं संविधान संशोधन → सहकारी समितियों को संवैधानिक दर्जा दिया गया। (भाग IX B)

→ नीति निर्देशक तत्वों में सहकारी समितियों को जोड़ा गया।

→ सन 2011 में।

(2)

सिविल अधिकार संरक्षण धारा 14-A

धारा 14-a → केन्द्र या राज्य सरकार के कार्यों के लिए संरक्षा

→ सद्भावना पूर्वक की गई कार्यवाही के लिए संरक्षण

← अस्पृश्यता में अन्य निर्योग्यताओं के निरोध के संबंध में

(2)

मुख्य परीक्षा
म.प्र. राज्य लोक सेवा आयोग

प्रश्न संख्या

1 | 4

राज्य मानव अधिकार आयोग

→ 1993 के मानव संरक्षण अधिनियम के आधार पर गठित।

→ संरचना: अध्यक्ष (उच्च न्यायालय का सेवानिवृत्त मुख्य न्यायाधीश)
सदस्य – 3

→ मध्यप्रदेश में – सन् 1995 में स्थापना

अनुच्छेद 335 – भारतीय संविधान के भाग 16 में।
– कुछ वर्गों के संबंध में विशेष उपबंध
– अनुसूचित जातियों, जनजातियों व पिछड़े वर्गों को पदों व सेवाओं में आरक्षण।

मतदाता फोटो पहचान पत्र – सन् 2005 में फोटोयुक्त मतदाता पहचान पत्र पहली बार बनाए गए।
– भारतीय निर्वाचन प्रक्रिया में अनिवार्य है।

गैर सरकारी संगठन
→ निजी संगठन और अपने आमदनी को संस्था में ही लगाते हैं।
→ राष्ट्रीय न्यास अधिनियम के तहत पंजीयन करना होता है
→ चर्चा में – विदेशी अंशदान के मामले के तहत 20000 संगठनों पर प्रतिबंध

7

राज्य का महाधिवक्ता → राज्य का सबसे बड़ा विधि अधिकारी
→ भारतीय संविधान के अनु. 165 में वर्णित
→ राज्यपाल द्वारा नियुक्ति
→ म.प्र. में वर्तमान – [illegible]

7

मुख्य परीक्षा
म.प्र. राज्य लोक सेवा आयोग

2 A

वित्तीय आपात – भारतीय संविधान में राष्ट्र की एकता-अखंडता बनाए रखने के उद्देश्य से आपातकालीन उपबंधों में से एक है – वित्तीय आपातकाल।

प्रमुख बिंदु – (1) अनुच्छेद 360 के तहत राष्ट्रपति द्वारा उद्घोषणा।
(2) 2 माह के अंदर संसद द्वारा साधारण बहुमत से अनुमोदित होना आवश्यक है।

प्रभाव – (1) राष्ट्रपति राज्य के समस्त धन विधेयकों को अपनी पूर्वसहमति से प्रस्तुत करवा सकता है।

उल्लेखनीय है कि अभी तक भारत में वित्तीय आपात नहीं

3

मुख्य परीक्षा
म.प्र. राज्य लोक सेवा आयोग

प्रश्न संख्या: 23

CAG – 'भारत का नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक', भारत के लेखा विभाग का मुखिया होता है।

= अनुच्छेद 148-151 तक प्रावधानों का वर्णन है।

निष्पक्षता के लिए किए गए उपाय – (1) कोई भी मंत्री कैग का प्रतिनिधित्व नहीं कर सकता है।

(2) वह केन्द्र सरकार से संबंधित प्रतिवेदन राष्ट्रपति को सौंपता है अनु 151।

(3) कैग की नियुक्ति राष्ट्रपति द्वारा की जाती है। अवकाश प्राप्ति के पश्चात कोई भी कैग पद धारित नहीं कर सकता।

CAG की निष्पक्षता को स्पष्ट करें

कौटिल्य एकेडमी
H.O. INDORE : Bhanwarkua Square Ph.: 0731-4326615, 4266821 Mob.: 9425064121, 9893029541
www.kautilyaacademy.com

मुख्य परीक्षा

म.प्र. राज्य लोक सेवा आयोग

प्रश्न संख्या	
28	नागरिक चार्टर या नागरिक अधिकारपत्र एक ऐसा घोषणापत्र है जिसमें संगठन की अपनी सेवाओं के मानक, संगठन संबंधी सूचनाओं, सेवाओं तक भेदभाव रहित पहुंच की प्रतिबद्धताओं का विवरण होता है।
	सुधार के उपाय ➡ (1) पारदर्शी बनाने के लिए मतदान व मीडिया की भूमिका।
	(2) समय समय पर पुनर्मूल्यांकन
	(3) नागरिक चार्टर को वैधानिक दर्जा दिया जाना चाहिए।
	(4) आदर्श घोषणापत्र मॉडल का पालन किया जाना चाहिए।

7

मुख्य परीक्षा
म.प्र. राज्य लोक सेवा आयोग

प्रश्न संख्या

?5 स्व सहायता समूह - समान सामाजिक आर्थिक परिस्थितियों वाले लोगों का एक समूह होता है।

विकासात्मक गतिविधि - (1) भारत में इन समूहों की उत्पत्ति 1970 के दशक में हुई।

(2) 1972 में सेल्फ एम्प्लॉयड वुमेन्स एसोसिएशन (SEWA) का गठन हुआ।

(3) समूहों को सरकार विभिन्न योजनाओं में भी लिया गया - जैसे - स्वर्ण जयंती ग्राम स्वरोजगार योजना (1999)।

26 भारत शासन अधिनियम 1935 - भारत के संविधान का मुख्य स्रोत यह अधिनियम है जो ब्रिटिश शासन द्वारा पारित किया गया था।

प्रावधान - (1) इसने अखिल भारतीय संघ की स्थापना की।

(2) केंद्र सूची, राज्य व समवर्ती सूचियों के माध्यम से शक्तियों का बंटवारा।

(3) प्रांतों में द्वैध शासन की समाप्ति, केंद्र में प्रारंभ।

(4) साम्प्रदायिक प्रतिनिधित्व का विस्तार।

(5) लोकसेवा आयोगों की स्थापना।

यह संवैधानिक सीमा का [illegible] आधार हुआ तथा इसने ब्रिटेन में भारत परिषद समाप्त कर दी।

कौटिल्य एकेडमी
H.O. INDORE [illegible] Square Ph.: 0731-4216615, 4766[illegible] Mob.: 9425064121, 9893925541

मुख्य परीक्षा
म.प्र. राज्य लोक सेवा आयोग

प्रश्न संख्या

2 ख भारत के संविधान के एकात्मक के तत्व :-

(1) संविधान का संघात्मक होने के बावजूद एकात्मकता की ओर झुकाव।

(2) एकल नागरिकता का प्रावधान।

(3) एकल, स्वतंत्र व निष्पक्ष न्यायपालिका।

(4) संविधान संशोधन की संसद की शक्ति

(5) आपातकाल के प्रावधान।

(6) अवशिष्ट शक्तियों का केन्द्र में निहित होना

निष्कर्ष :- उपरोक्त प्रावधान भारत की रचना में संघात्मक घोषित करने के साथ-साथ भावना में एकात्मक घोषित करते है।

2 1 लोकतंत्र का चौथा स्तंभ मीडिया को कहा जाता है। मीडिया निष्पक्ष और स्वतंत्र हो तो लोकतंत्र में अपनी कमियों से निजात पा सकती है। किंतु इसके समक्ष कुछ चुनौतियाँ है जो निम्न है :- (1) बाजारवाद एवं व्यावसायिकता में मूल भावना का विलोप होना।

(2) पीत पत्रकारिता के चलन का फैलाव।

(3) पेड न्यूज से प्रचार का दबाव

(4) टी.आर.पी. में आगे रहने की मानसिकता।

इन चुनौतिओ के बावजूद भी मीडिया एक सजग प्रहरी की भूमिका में रहा है।

मुख्य परीक्षा
म.प्र. राज्य लोक सेवा आयोग

प्रश्न संख्या

घरेलू हिंसा से महिलाओं का संरक्षण अधिनियम 2005
– यह अधिनियम महिलाओं के कुटुम्ब, घरों चार दीवारी के भीतर हो रहे शारीरिक, मानसिक, आर्थिक शोषण से निजात के लिए लाया गया।

प्रमुख प्रावधान → [धारा-8] के तहत संरक्षण अधिकारी की नियुक्ति का प्रावधान
→ [धारा-12] के तहत पीड़िता या संरक्षण अधिकारी भी मुआवजा के लिए आवेदन दे सकता है।
→ [धारा 16] – पक्षकार की इच्छानुसार कार्यवाही बंद कमरे में की जा सकती है।

२८ संविधान का बुनियादी ढाँचा – केशवानंद मामले में सुप्रीम कोर्ट द्वारा कहा गया कि संशोधन बुनियादी ढाँचे के अनुसार किया जाना चाहिए। इसके निम्न बिंदु हैं :-
(1) संविधान की सर्वोच्च मान्यता।
(2) संविधान की सर्वोच्चता।
(3) संविधान में निहित शक्ति पृथक्करण
(4) न्यायपालिका की स्वतंत्रता व सर्वोच्चता।
(5) न्यायपालिका का न्यायिक समीक्षा का अधिकार।
संविधान का बुनियादी ढाँचा ही संविधान की मजबूती सिद्ध करता है।

3½

4

कौटिल्य एकेडमी
H.O. INDORE : Bhawarkua Square Ph.: 0731-4126615, 4266821 Mob.: 9425068121, 9893028541
www.kautilyaacademy.com Kautilyaacademy

3 4 लोकतंत्र – लिंकन के अनुसार जनता का जनता द्वारा जनता के लिए शासन लोकतंत्र कहलाता है।

लोकतंत्र के प्रकार

- शासन प्रणाली के आधार पर
  - प्रत्यक्ष
  - अप्रत्यक्ष
- राजनीतिक आधार पर
  - संसदात्मक (उदा. भारत)
  - अध्यक्षात्मक (उदा. अमेरिका)

संसदात्मक लोकतंत्र व अध्यक्षात्मक लोकतंत्र में निम्न बिंदुओं के आधार पर विश्लेषण किया जा सकता है।

(1) राज्याध्यक्ष :-

संसदात्मक – राज्याध्यक्ष का महत्व केवल प्रतीकात्मक होता है। उदा – ब्रिटेन के राजा या भारत के राष्ट्रपति।

अध्यक्षात्मक – राज्याध्यक्ष ही राज्य का प्रमुख व्यक्ति होता है न कि प्रतीकात्मक। जैसे – अमेरिका का प्रेसीडेंट

कौटिल्य एकेडमी
H.O. INDORE : Bhanwarkua Square Ph.: 0731-4220615, 4263823 Mob.: 9425068121, 9893329541
www.kautilyaacademy.com

(2) कार्यपालिका व विधायिका

संसदात्मक - कार्यपालिका, विधायिका से पृथक नहीं होती। विधायिका में जिस दल को आधे से अधिक सदस्यों का समर्थन हासिल होता है वही कार्यपालिका के सदस्यों का निर्धारण करती है।

अध्यक्षात्मक - कार्यपालिका, विधायिका से पूरी तरह पृथक होती है।

(3) राष्ट्रपति की शक्ति : संसदात्मक शासन व्यवस्था में राष्ट्रपति को विधानमंडल भंग करने का अधिकार होता है।

अध्यक्षात्मक - यहाँ कार्यपालिका, विधायिका के पृथक होने के कारण राष्ट्रपति को यह विवेकाधीन शक्ति नहीं होती कि वह विधानमंडल भंग करे।

(4) सदन के सदस्य : संसदात्मक - आमतौर पर दो सदनों में विभाजित होते हैं और कार्यपालिका के सदस्य चुनकर आते हैं।

अध्यक्षात्मक :- राष्ट्रपति को अधिकार होता है कि वह मंत्रालय के प्रमुखों को चुन सके।

संसदीय प्रणाली व अध्यक्षात्मक प्रणाली के अपने-अपने सकारात्मक, नकारात्मक प्रभाव हैं। किंतु भारत के संविधान निर्माताओं ने अध्यक्षात्मक प्रणाली न चुनकर संसदीय प्रणाली को चुना।

इसके दो आधार हैं :-

(1) भारतीयों को ब्रिटिशों के कारण संसदीय प्रणाली का पर्याप्त अनुभव हो चुका था।

(2) भारत जैसे विभिन्नताओं से पूर्ण देश में अध्यक्षात्मक प्रणाली को विरोध झेलना पड़ सकता था।

अतः उक्त कारणों से भारत ने संसदात्मक प्रणाली को अपनाया।

(2½)

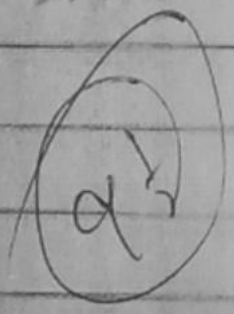

निर्वाचन आयोग - भारतीय संविधान के भाग 15 में वर्णित निर्वाचन आयोग एक संवैधानिक संस्था है।

भारत में निर्वाचन आयोग प्रमुख रूप से चुनाव के कार्यान्वयन का कार्य करता है। यही कार्य राज्य स्तर पर भी निर्वाचन आयोग के निर्देशन में होता है।

पंचायत चुनावों का अधिकार और राज्य निर्वाचन आयोग के पास होते हैं।

निर्वाचन आयोग — अनुच्छेद 324
— 3 सदस्यीय निकाय
— एक मुख्य सूचना आयुक्त,
दो अन्य सूचना आयुक्त।

निर्वाचन आयोग के कार्य :- निर्वाचन आयोग के कार्यों को 3 श्रेणियों में विभाजित कर सकते हैं

- प्रशासनिक कार्य
- सलाहकारी कार्य
- ~~अर्द्ध~~ न्यायिक कार्य

प्रश्न संख्या
मुख्य परीक्षा
म.प्र. राज्य लोक सेवा आयोग

(1) चुनाव तिथियों का निर्धारण – अनुच्छेद 324 के अनुसार चुनाव करवाने का अधिकार किसी अनुच्छेद से नहीं बंधा है।

(2) चुनाव क्षेत्रों का परिसीमन या सीमांकन करना।
इसके तहत प्रत्येक 10 वर्ष की होने वाली जनगणना के उपरांत परिसीमन करना।

(3) मतदाता सूचियाँ तैयार करना।

(4) राजनीतिक दलों का पंजीकरण – जनप्रतिनिधि अधिनियम 1951 के अनुसार निर्वाचन आयोग द्वारा दलों का पंजीकरण।

(5) चुनाव चिह्न का आवंटन करना।

(6) चुनाव के लिए आचार संहिता लागू करना।

(7) निर्वाचन के समय प्रचार के लिए रेडियो, टी.वी. कार्यक्रम निर्धारित करना।

(8) राजनीतिक दलों को मान्यता प्रदान करना

कौटिल्य एकेडमी
H.O. INDORE : Bhanwarkua Square Ph.: 0731-4222610, 4266821 Mob.: 9425068121, 9893929541
www.kautilyaacademy.com

कहें - शाब्दिक कार्य :- (1) अनु. 103 के तहत राष्ट्रपति संसद के सदस्यों की अयोग्यता के संबंध में निर्वाचन आयोग से परामर्श कर सकता है।

(2) अनु - 192 के तहत यही अधिकार राज्यपाल को दिया गया है।

इसके अलावा आयोग का कार्य है कि वह समय-समय पर सरकार को अपने कार्यों के संबंध में सूचना देता रहेगा। साथ ही चुनाव प्रक्रिया में सुझाव देता रहेगा।

4½

महत्वपूर्ण अनु० भी जरूर लिखें
सभी प्रश्न हल करना अनिवार्य है